भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
23.07.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 516 का उत्तर

जबलपुर में रेलवे नेटवर्क का विस्तार

516. श्री आशीष दुबे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में रेलवे नेटवर्क का निरंतर विस्तार हो रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो विगत दस वर्षों में कुल कितनी एकल लाइनों को दोहरी लाइनों में परिवर्तित किया गया है और उनका राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या जबलपुर से भी रेलवे नेटवर्क सेवाओं का विस्तार किया गया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेलवे-वार किया जाता है, न कि राज्य-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य सीमाओं के पार भी संचालित होती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर शुरू किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

भारतीय रेल में, 01.04.2025 तक कुल 35,966 किलोमीटर लंबाई की 431 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (154 नई लाइन, 33 आमान परिवर्तन और 244 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनकी लागत लगभग 6.75 लाख करोड़ रुपये है, जिनमें से 12,769 किलोमीटर लंबाई को कमीशन किया गया है और मार्च, 2025 तक लगभग 2.91 लाख करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी.)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	154	16,142	3,036	1,45,318
आमान परिवर्तन	33	4,180	2,997	22,753
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	244	15,644	6,736	1,22,858
कुल	431	35,966	12,769	2,90,929

सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्र-वार/वर्ष-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है।

भारतीय रेल में नई रेल लाइन बिछाना/कमीशनिंग का विवरण नीचे दिया गया है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी./दिन
2014-25	34,428 कि.मी.	8.57 कि.मी./दिन (2 गुना से अधिक)

भारतीय रेल में एकल रेलपथ खंडों को मल्टी-ट्रैक खंडों में परिवर्तित करने का विवरण नीचे दिया गया है:-

अवधि	कमीशन किया गया दोहरीकरण कार्य	दोहरीकरण की औसत कमीशनिंग
2009-14	1875 कि.मी.	375 कि.मी./ वर्ष
2014-25	18,558 कि.मी.	1687 कि.मी./ वर्ष (लगभग 5 गुना)

भारतीय रेल में मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं के लिए औसत वार्षिक बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	2,461 करोड़ रुपये प्रति वर्ष
2014-25	20,882 करोड़ रुपये (लगभग 8 गुना)

मध्य प्रदेश राज्य में रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे द्वारा कवर की जाती हैं। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है।

पिछले तीन वर्षों अर्थात वित्त वर्ष 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष के दौरान जबलपुर सहित मध्य प्रदेश राज्य में कुल 5,523 किलोमीटर लंबाई के 59 सर्वेक्षण कार्य (17 नई लाइन और 42 दोहरीकरण) पूर्णतः/आंशिक रूप से स्वीकृत किए गए हैं, जैसे:-

(i) गोंदिया-जबलपुर लाइन का दोहरीकरण (231 कि.मी.)। इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है, जिसकी अनुमानित लागत 4671 करोड़ रुपये है।

(ii) मानिकपुर-जबलपुर-इटारसी के बीच तीसरी लाइन (519 कि.मी.)। इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और इस परियोजना की अनुमानित लागत 9461 करोड़ रुपये है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना को मंजूरी देने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से आवश्यक अनुमोदन की आवश्यकता होती है।

******